Speech of Hon'ble Mr. Justice Vijender Jain, Chief Justice, Punjab and Haryana High Court & Patron-in-Chief, Punjab State Legal Services Authority on the occasion of Seminar on 'Eradication of Female Foeticide' held at M. and M. College, Sangrur on 2.4.2008.

मुझे आज आप के बीच में आ करके बहुत खुशी हुई। हमारे Justice Ranjit Singh Jee वकील बनने से पहले फौज में थे। उसके बाद ये वकालत करने लगे और मेरे सामने जब मैं दिल्ली हाई कोर्ट में था ये पेश हुआ करते थे और पूरे अंदाज के अन्दर बड़ी जोरदार बहस करते थे। जब मैं यहाँ पर Chief Justice बन कर आया मुझे यह नहीं पता था कि ये जज हो गये हैं। हमारी oath के बाद एक lunch हुआ। उस lunch में जब ये भी मौजूद थे तो मैंने इन से कहा तुम यहाँ पर कैसे हो? कहने लगे मैं जज हूँ। तब से मैंने इनको field marshal की उपाधि दे दी। इन्होंने मुझको कहा कि आज आपने M. and M. College में जाना है क्योंकि उनके मित्र Manoj Singal Jee, यहाँ पर जो अभी मेरे से पहले बोल चुके, वो संगरूर जैसे ईलाके में एक अच्छा काम कर रहे हैं। वो हर जगह अपना college खोल सकते थे पर उन्होंने यहाँ पर Sangrur के अन्दर एक college खोला है और वो भी college, Engineering College नहीं है, Medical College नहीं है पर educational college है।

मेरी यह मान्यता है कि अगर भारत 2020 में, 2025 में अगर एक विश्व की ताकत बनेगा तो उसका एक जो Foundation Source है वो human resource है और human resource जो develop होगा वो quality of education से होगा और जो यहाँ पर आपके Chairman साहब ने ये कहा कि मैं इस institution को एक global standard के हिसाब से बनाना चाहता हूँ और वो मेरे पास बैठे हुये थे तो इनकी conviction का मुझे अन्दाजा हुआ। उन्होंने कहा Chief साहब एक बात जो मैंने सब लोगों को कही है वो ये कि इस college के अन्दर education कैसे मिलती है इसका पता चलेगा जब ये बच्चे अपनी नौकरी के लिए या अपने जीवन के अन्दर जाऐंगे यहां से निकल करके अगर इनका acceptance अगर society में है तो फिर मेरे college की education सार्थक है वरना सार्थक नहीं है। आज शिक्षा, आज के युग के अन्दर शक्ति है। Education is power और जो शक्ति का संचय करता है, शिक्षा ग्रहण करता है और जो इस शिक्षा को ग्रहण कराने का माध्यम होता है वो इस समाज को, इस देश को, इस प्रदेश को, पंजाब को बनाने के लिए एक बहुत बड़ी अहम भूमिका निभा रहा है। क्या कारण है इतने सारे सरकारी स्कूल हैं, इतने ज्यादा colleges हैं क्या फर्क है college और college के अन्दर, school और school के अन्दर? फर्क सिर्फ इतना है कि जो college और school ज्ञान के प्रति जिज्ञासा और जीवन के प्रति व्यावाहारिक दृष्टिकोण

पैदा करता है वो school और college सबसे अच्छा है, चाहे वो किसी भी क्षेत्र के अन्दर हो।

समाज के अन्दर आज सबसे ज्यादा बुराई के कारण दो हैं intolerance and indiscipline । हम लोग अपने अधिकारों की चर्चा करते हैं। समाज और राष्ट्र के प्रति हमारी क्या जिम्मेवारी है उसकी कभी हम चर्चा नहीं करते। इसी तरह से अपने जीवन के अन्दर जो पुरूष, महिला, छात्र, छात्रा discipline से नहीं रह पायेगा वो समाज को कुछ नहीं दे सकता।

यहाँ पर मैं जब November, 2006 में Chief Justice बन कर आया। बहुत तारीफ पंजाब की सुनी थी। पंजाब ने हमारे स्वतन्त्रता संग्राम के अन्दर गबरू जवानों ने कितनी शहादत दी। जब Amestardam की गलीयों के अन्दर हिन्दुस्तान के लिए लोग कटोरा मांग करके भीख मांग रहे थे। खाने को अन्न नहीं था तो पंजाब, ने पंजाब के किसानों ने हरी क्रान्ति की। तो सबसे उपर पंजाब, हमारे राष्ट्रगान में भी सबसे ऊपर पंजाब का नाम आता है पर मेरा सिर शर्म से झुक गया जब ये पता लगा कि ऐसा पंजाब वहाँ पर लड़कियों का लिंग अनुपात सारे देश में सबसे ज्यादा कम है। उस पर भी पंजाब ने top कर दिया। आज जब मैंने देखा कि गर्भ में पलने वाली वो बच्ची जो अपनी माँ से कहती है कि माँ मुझे मत मारो। मैं आपसे कुछ नहीं माँगूगी। मैं आप से गुड़िया भी नहीं माँगूगी पर मुझे कम से कम इस दुनिया में आने का मौका तो

दे दो। पर कोई असर उस लड़की की, नन्हीं बच्ची की, गर्भ में पलती हुई उसका असर उस नन्हीं बच्ची का यहाँ पर लोगों पर नहीं हुआ। तो हमने हमारे साथी Mehtab Singh Gill साहब से कहा। हमारे हाथ में शक्ति है दण्ड देने की, सजाये-मौत सुनाने की और हमको पंजाब के अन्दर पंजाबियों की अनख को जगाना होगा। ये शैतानी सोच को कि लड़की को गर्भ के अन्दर मार दिया जाये। इस सोच को बदलना होगा और उसके लिए हमको जाना पड़ेगा लोगों के बीच में। हमने सैंकड़ो seminar किये, कर रहे हैं और करते रहेंगे और जा करके हम यही प्रश्न पूछते हैं सब लोग बैठे हैं यहाँ पर, नन्हीं-नन्हीं बच्चियाँ बैठी हैं कि ये सोच क्यों पैदा हुई। एक कारण तो आपने देखा दहेज का कि जब तक दहेज की प्रथा रहेगी लड़कियों की हत्या होती रहेगी।

दूसरा मेरे मन में हमेशा मैं यह सवाल पूछता हूँ हर समय तो आप बैठ करके function शुरू करते हैं माँ शारदे का वर्णन करते हैं। माथा टेकने जाते हैं भवानी और शक्ति की पूजा करते हैं, लक्ष्मी की पूजा करते हैं। राम नवमी के त्यौहार के ऊपर और दूसरे त्यौहार के ऊपर दुर्गा की पूजा करते हैं। तो उस समय ये पूजनीय है और गर्भ के अन्दर बच्ची हो रही है तो मारने योग्य है। ये कहाँ की सोच है?

कभी सोचा है कि माँ गुजरी बाई नहीं होती तो गुरू गोबिन्द सिंह जी कहाँ से आते। कभी सोचा है महा सिंह ने राजकौर को दफना दिया होता तो महाराजा रणजीत सिंह जी कहाँ से आते। कौशल्या नहीं होती तो राम कहाँ

से आते। तो आपको इस मौके के ऊपर, हमारे इस अभियान के अन्दर जो हमने भ्रूण हत्या के अन्दर, नशाख़ोरी के विरूद्ध शुरू किया है। उसमें एक volunteer की हैसियत से शामिल होकर के अपने परिवार में, अपने रिश्तेदारों में, अपने लोगों में, इस शैतानी सोच के विरूद्ध कार्य करना चाहिए।

मैं तो जहाँ जाता हूँ। अभी मैं कुरूक्षेत्र में था दो दिन पहले वहाँ पर संत लोग मुझे मिले। मैंने उनसे कहा आप क्या भगवान की बात बढ़ाते रहते हो। गीता के चौदहवें अध्याय में लिखा है कि किसी योनी के अन्दर बीज स्थापित होता है, उसका परमपिता परमात्मा ब्रहम अंश होता है। जो इंसान, जो परिवार, जो माँ उस ब्रहम अंश की हत्या करना चाहती है, हत्या कर देती है, दुनिया में किसी भी तीर्थ के दर्शन करने के बाद, किसी भी गुरूद्वारे में माथा टेकने के बाद, किसी भी मन्दिर में जाने के बाद और किसी भी सरोवर में जाने के बाद उसका यह पाप धुल नहीं सकता।

अभी यहाँ पर जब कार्यक्रम शुरू हुआ तो Principal साहिबा के लिए पंक्तियां कही थीं। क्योंकि यह काम बड़ा कठिन है। ये हमारे पंजाब और हरियाणा के अन्दर सामन्त शाही निजाम का नतीजा है कि लड़कियों का स्थान अलग है। उस सोच से लड़ने के लिए एक दिन में सोच नहीं बदलेगी। We have miles to go और मैं आप तमाम लोगों से जो यहाँ बैठे हुये हैं, युवा पीड़ी के उनसे कहना चाहता हूँ।

कि राह मुश्किल तू अकेला

दूर मंजिल क्या हुआ

राह चूमेगी चरण

अभियान करना चाहिए

देखकर संघर्ष जो पीछे हटे, घबरा गये

ऐसी जवानी को कहीं जा डूब मरना चाहिये

Thank you very much.